शाहजहाँ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(1) जोधपुर के शासक मोटा राजा उदय सिंह की पुत्री जगत गोसाई से 1592 ई० में खुर्रम (शाहजहाँ) का जन्म लाहौर में हुआ।

(2) शाहजहाँ ने आसफ खाँ को वजीर पद एवं महावत खाँ को खान खाना की उपाधि प्रदान की।

(3) अपनी बेगम मुमताज महल की याद में शाहजहाँ ने ताजमहल का निर्माण आगरे में उसकी कब्र के ऊपर करवाया।

(4) ताजमहल का निर्माण करनेवाला मुख्य स्थापत्य कलाकार उस्ताद अहमद लाहौरी था।

(5) मयूर सिंहासन का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था इसका मुख्य कलाकार बेबदल खाँ था।

(6) शाहजहाँ के शासनकाल को स्थापत्यकला का स्वर्णयुग कहा जाता है। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें हैं — दिल्ली का लालकिला, दीवाने आम, दीवाने खास, दिल्ली जामा मस्जिद, आगरा मोती मस्जिद, आगरा मोती मस्जिद, ताजमहल इत्यादि।

(7) शाहजहाँ ने 1638 ई० में अपनी राजधानी को आगरा से दिल्ली लाने के लिए यमुना नदी के दाहिने तट पर शाहजहाँनाबाद की नींव डाली।

(8) आगरे के जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ की पुत्री जहाँआरा ने करवाई।

(9) शाहजहाँ के दरबार के प्रमुख चित्रकार मुहम्मद फकीर एवं मीर हासिम थे।

Scanned with CamScanner

(10) शाहजहाँ ने संगीतज्ञ लाल खाँ को 'गुण समन्दर' की उपाधि दी थी।

(11) शाहजहाँ के पुत्रों में दाराशिकोह सर्वाधिक विद्वान था। इसने भगवतगीता, योगवशिष्ट, उपनिषद एवं रामायण का अनुवाद फारसी में करवाया। इसने सर-ए-अकबर (महान रहस्य) नाम से उपनिषदों का अनुवाद करवाया था। दाराशिकोह कादिरी सिलसिले के मुल्ला शाह बदख्शी का शिष्य था।

(12) शाहजहाँ ने दिल्ली में एक कॉलेज का निर्माण एवं दारुल बका नामक कॉलेज की मरम्मत करवायी।

(13) शाह बुलंद इकबाल के रूप में दारा शिकोह जाना जाता है।

(14) सितम्बर, 1657 ई० में शाहजहाँ के गंभीर रूप से बीमार पड़ने और मृत्यु का अफवाह फैलने के कारण उसके पुत्रों के बीच उत्तराधिकार का युद्ध प्रारंभ हुआ। उस समय शुजा बंगाल मुराद गुजरात एवं औरंगजेब दक्कन में थे।

(15) सामूगढ़ का युद्ध 29 मई, 1658 ई० को दारा एवं औरंगजेब के बीच हुआ। इस युद्ध में भी दारा की हार हुई। उत्तराधिकार का युद्ध अन्तिम रूप से देवराई की घाटी में मार्च, 1659 ई० को हुआ। इस युद्ध में दारा के पराजित होने पर उसे इस्लाम धर्म की अवहेलना करने के अपराध में 30 Aug. 1659 ई० को हत्या कर दी गई।

(16) 8 जून, 1658 ई० को औरंगजेब ने शाहजहाँ को बंदी बना लिया। आगरे के किले में अपनी कैदी जीवन के आठवें वर्ष अर्थात् 22 जनवरी, 1666 ई० को 74 वर्ष की अवस्था में शाहजहाँ की मृत्यु हो गई।

Scanned with CamScanner